

MPSE-006 (part-2)

IMPORTANT QUESTIONS AND EXPECTED QUESTIONS

Peace and Conflict Studies शांति और संघर्ष अध्ययन

For both Hindi & English medium students

Topic-1

Gandhi's Vision of Peace

Non-Violence (Ahimsa)

Central to Gandhi's vision of peace was the principle of non-violence, or ahimsa. He believed that true peace could only be achieved through non-violent means, rejecting all forms of physical and psychological violence.

गांधी के शांति दृष्टिकोण का केंद्रीय सिद्धांत अहिंसा था। उन्होंने माना कि सच्ची शांति केवल अहिंसात्मक तरीकों से ही प्राप्त की जा सकती है, और शारीरिक और मानसिक हिंसा के सभी रूपों को अस्वीकार किया।

Truth (Satya)

Gandhi emphasized the importance of truth (satya) in achieving peace. He believed that living truthfully and honestly was essential for creating a just and peaceful society.

गांधी ने शांति प्राप्त करने में सत्य (सत्य) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने माना कि सत्यनिष्ठ और ईमानदार जीवन जीना एक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण समाज बनाने के लिए आवश्यक था।

Sarvodaya (Welfare of All)

The concept of sarvodaya, or the welfare of all, was integral to Gandhi's vision. He advocated for a society where the well-being of every individual was prioritized, promoting social and economic justice.

सर्वोदया (सभी का कल्याण) का सिद्धांत गांधी के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण था। उन्होंने एक ऐसे समाज की कालत की जहां प्रत्येक व्यक्ति की भलाई को प्राथमिकता दी जाती हो, सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देते हुए।

Self-Reliance (Swaraj)

Gandhi's idea of swaraj, or self-reliance, extended beyond political independence to include economic and social self-sufficiency. He believed that true peace could be achieved when communities were self-reliant and self-sufficient.

गांधी का स्वराज का विचार राजनीतिक स्वतंत्रता से आगे बढ़कर आर्थिक और सामाजिक आत्मनिर्भरता को शामिल करता था। उनका मानना था कि सच्ची शांति तब प्राप्त हो सकती है जब समुदाय आत्मनिर्भर और आत्मसंतुष्ट हों।

Topic -2

Peace Traditions

1. Religious Teachings and Practices

Buddhism: The core of Buddhist teachings is the practice of non-violence and compassion (Karuna). The concept of Ahimsa is fundamental, promoting peaceful living through mindfulness and ethical behavior.

बौद्ध धर्म: बौद्ध शिक्षाओं का मूल अहिंसा और करुणा का अभ्यास है। अहिंसा की अवधारणा महत्वपूर्ण है, जो सावधानीपूर्वक और नैतिक व्यवहार के माध्यम से शांतिपूर्ण जीवन को बढ़ावा देती है।

Christianity: Christianity emphasizes love and forgiveness as pathways to peace. Teachings of Jesus Christ, such as "Blessed are the peacemakers," advocate for reconciliation and harmony.

ईसाई धर्म: ईसाई धर्म प्रेम और क्षमा को शांति के मार्ग के रूप में महत्व देता है। यीशु मसीह की शिक्षाएं, जैसे "धन्य हैं वे जो शांति स्थापित करते हैं," मेल-मिलाप और सामंजस्य का समर्थन करती हैं।

2. Modern Peace Movements

Gandhian Philosophy: Mahatma Gandhi's principles of non-violence (Ahimsa) and truth (Satya) have inspired global peace movements. His approach to civil disobedience and peaceful protest has influenced many leaders and movements.

गांधीवादी दर्शन: महात्मा गांधी के अहिंसा (अहिंसा) और सत्य (सत्य) के सिद्धांतों ने वैश्विक शांति आंदोलनों को प्रेरित किया है। उनके सविनय अवज्ञा और शांतिपूर्ण विरोध के दृष्टिकोण ने कई नेताओं और आंदोलनों को प्रभावित किया है।

Pacifism: Pacifism rejects war and violence, advocating for peaceful resolution of conflicts through dialogue, diplomacy, and non-violent resistance.

शांतिवाद: शांतिवाद युद्ध और हिंसा को अस्वीकार करता है, संवाद, कूटनीति और अहिंसात्मक प्रतिरोध के माध्यम से संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत करता है।

3. International Peace Efforts

United Nations: The United Nations plays a crucial role in maintaining global peace and security through peacekeeping missions, conflict resolution, and promoting human rights.

- संयुक्त राष्ट्र: संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों, संघर्ष समाधान और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के माध्यम से वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Topic-3

Distinguishing Between Peacekeeping, Peacemaking, and Peacebuilding

1. Peacekeeping

Definition: Peacekeeping involves the deployment of international forces to help maintain peace and security in conflict zones. These forces are usually authorized by international organizations like the United Nations.

Objective: The primary goal is to prevent the resumption of conflict and create conditions for sustainable peace by monitoring ceasefires, separating conflicting parties, and ensuring the safe delivery of humanitarian aid.

Methods: Peacekeepers typically engage in patrolling, monitoring borders, demobilizing combatants, and supporting the implementation of peace agreements.

परिभाषा: शांति स्थापना में संघर्ष क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बलों की तैनाती शामिल है। इन बलों को आमतौर पर संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा अधिकृत किया जाता है।

उद्देश्य: मुख्य लक्ष्य संघर्ष के फिर से शुरू होने को रोकना और संघर्ष विराम की निगरानी, संघर्षरत पक्षों को अलग करना और मानवीय सहायता की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करके टिकाऊ शांति की स्थिति बनाना है।

विधियाँ: शांति रक्षक आमतौर पर गश्त करने, सीमाओं की निगरानी करने, लड़ाकों को विसैन्यीकृत करने और शांति समझौतों के कार्यान्वयन का समर्थन करने में संलग्न होते हैं।

2. Peacemaking

Definition: Peacemaking refers to diplomatic efforts aimed at negotiating an end to conflict and establishing a peace agreement between the conflicting parties.

Objective: The main goal is to resolve the underlying issues causing the conflict through dialogue, negotiation, and mediation, often involving high-level diplomatic engagement.

Methods: Peacemaking strategies include formal negotiations, mediations by third parties, and dialogue facilitated by international organizations or influential countries.

परिभाषा: शांति निर्माण का तात्पर्य संघर्ष को समाप्त करने और संघर्षरत पक्षों के बीच शांति समझौता स्थापित करने के उद्देश्य से कूटनीतिक प्रयासों से है।

उद्देश्य: मुख्य लक्ष्य संवाद, बातचीत और मध्यस्थता के माध्यम से संघर्ष के कारण बनने वाले अंतर्निहित मुद्दों को हल करना है, जिसमें अक्सर उच्च स्तरीय कूटनीतिक शामिल होती है।

विधियाँ: शांति निर्माण रणनीतियों में औपचारिक बातचीत, तीसरे पक्ष द्वारा मध्यस्थता और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों या प्रभावशाली देशों द्वारा सुगम किया गया संवाद शामिल है।

3. Peacebuilding

Definition: Peacebuilding involves long-term efforts to address the root causes of conflict and build the social, political, and economic foundations for sustainable peace.

Objective: The primary goal is to create conditions that prevent the recurrence of violence by promoting reconciliation, justice, and development.

Methods: Peacebuilding activities include institution-building, economic development, reconciliation processes, education, and promoting human rights.

परिभाषा: शांति निर्माण में संघर्ष के मूल कारणों को दूर करने और टिकाऊ शांति के लिए सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव बनाने के लिए दीर्घकालिक प्रयास शामिल हैं।

उद्देश्य: मुख्य लक्ष्य मेल-मिलाप, न्याय और विकास को बढ़ावा देकर हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने की स्थिति बनाना है।

विधियाँ: शांति निर्माण गतिविधियों में संस्थान निर्माण, आर्थिक विकास, मेल-मिलाप प्रक्रियाएँ, शिक्षा और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना शामिल है।

These distinctions illustrate the complementary roles of peacekeeping, peacemaking, and peacebuilding in achieving and maintaining global peace and security.

Like and comment

Susbscribe if u are new